

लाल बालों वाला बड़ा भाई

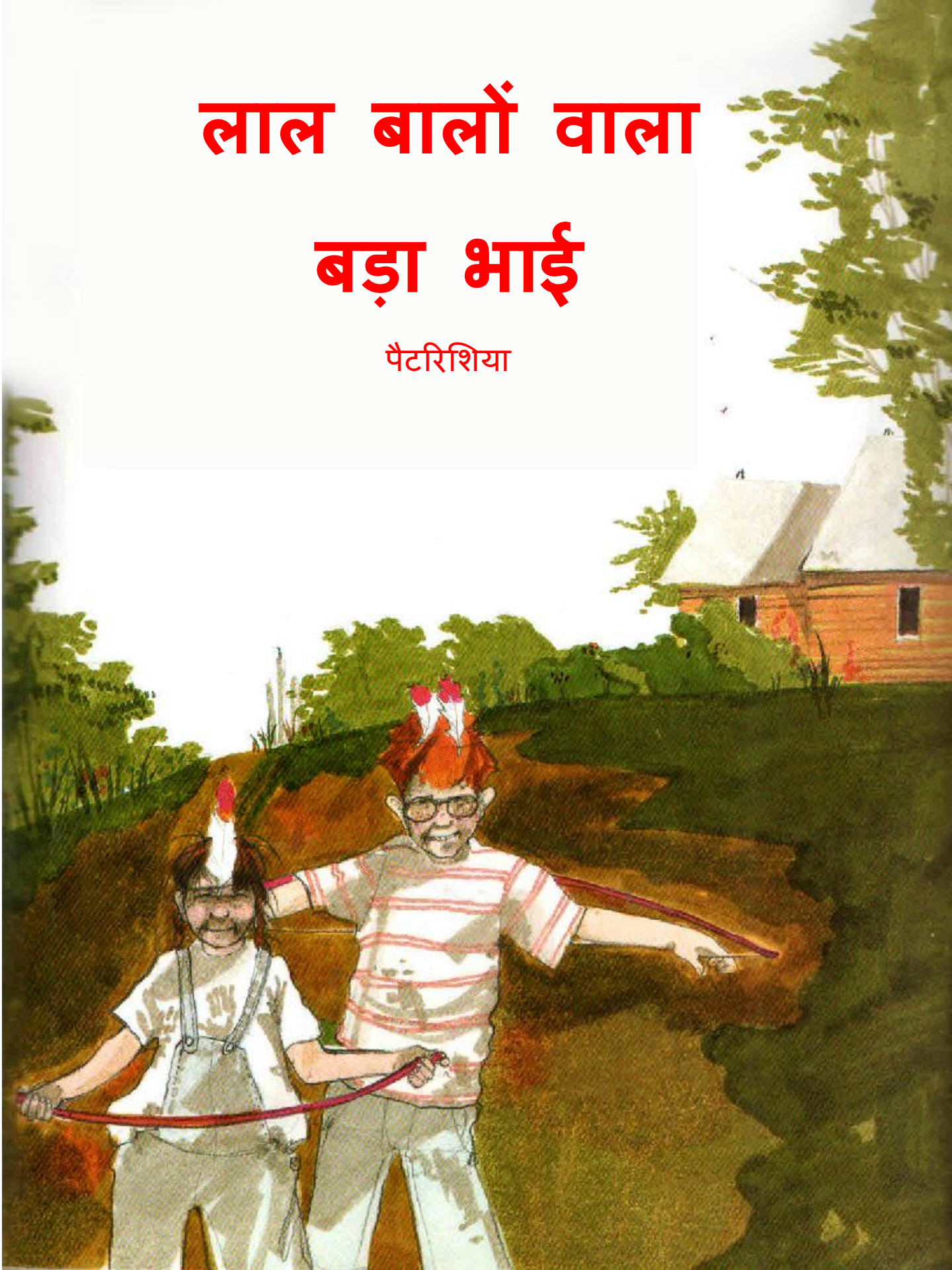
पैटरिशिया हिंदी : विदूषक



लाल बालों वाला

बड़ा भाई

पैटरिशिया



लाल बालों वाला बड़ा भाई

पैटरिशिया



मेरा भाई, माँ और मैं, नानी के साथ मिशिगिन की यूनियन सिटी में, एक फार्म पर रहते थे.

मेरी बाबुशका यानि नानी, बहुत सारी चीज़ें जानती थीं. वो बहुत अच्छी कहानियां सुनाती थीं. एक जादूगर की तरह वो बहुत सी चीज़ें बनाना जानती थीं. इतना तो पक्का था, कि पूरे मिशिगिन में उनसे अच्छा “चॉकलेट-केक” और कोई नहीं बना सकता था.

जब मेरे भाई को और मुझे वो अपनी देश की कोई अदभुत कहानी सुनातीं, तो हम आश्चर्य से पूछते, “बूबी, क्या वो कहानी सच्ची थी?”

तब नानी कहतीं, “और नहीं क्या, सच ही समझो, पर वो गलत भी हो सकती है!” फिर नानी जोर से हंसतीं.







इतना मुझे मालूम है कि नानी मुझे बहुत पसंद करती थीं. पर यह मुझे कभी समझ नहीं आया कि मेरे बड़े भाई - रिचर्ड से उन्हें क्यों इतना प्यार था. उसके लाल रंग के बाल, तार जैसे रूखे थे, और उसका चेहरा पूरी तरह झाड़ियों से भरा था. वो देखने में बिल्कुल चश्मा पहने हुआ, एक नेवला दिखता था.

एक बात बूबी को बिल्कुल पता नहीं थी - मेरे भाई का व्यवहार कितना बर्बाद था! जब कभी नानी पास होतीं, तो उसका रवैया बिल्कुल बदल जाता, पर जैसे ही नानी आँख से ओझल होतीं वो मेरे साथ कुछ बदतमीजी करता और फिर खिलखिला कर हँसता.



बड़े भाई के बारे में बहुत बातें ऐसी थीं जो मुझे समझ में नहीं आती थीं. वो हर समय शान मारता था, डींग हांकता था – कि वो हर चीज़ मुझसे बेहतर कर सकता था. इससे मुझे बेहद चिढ़ थी.

“शर्त लगाओ, मैं तुमसे ज्यादा ब्लूबेरी तोड़ सकता हूँ,” एकदिन उसने मुझे चिढ़ाते हुए कहा.

“नहीं, तुम मुझ से तेज़ नहीं हो.”

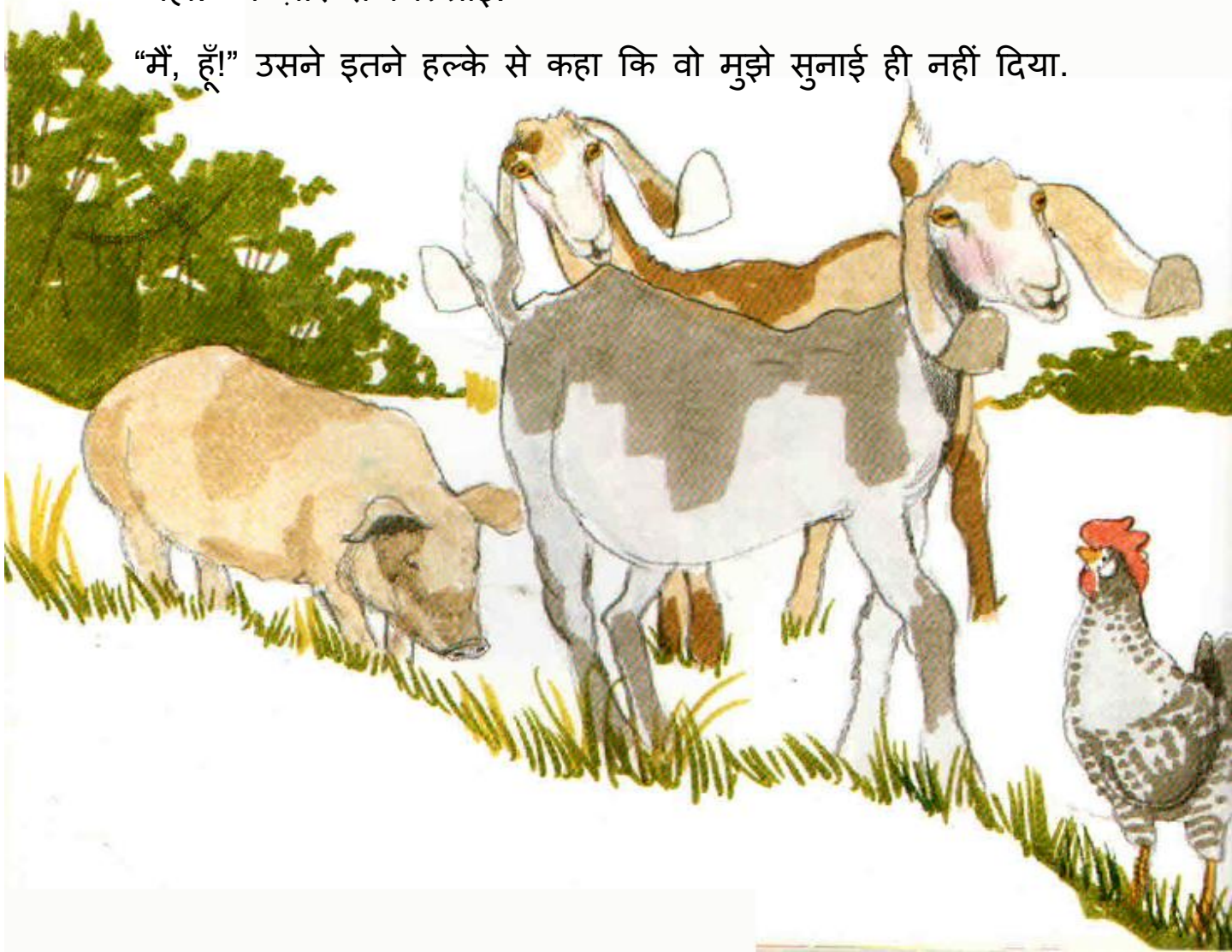
“मैं, हूँ.”

“बिल्कुल नहीं!”

“मैं, हूँ!” उसने हल्के से कहा.

“नहीं!” मैं ज़ोर से चिल्लाई.

“मैं, हूँ!” उसने इतने हल्के से कहा कि वो मुझे सुनाई ही नहीं दिया.

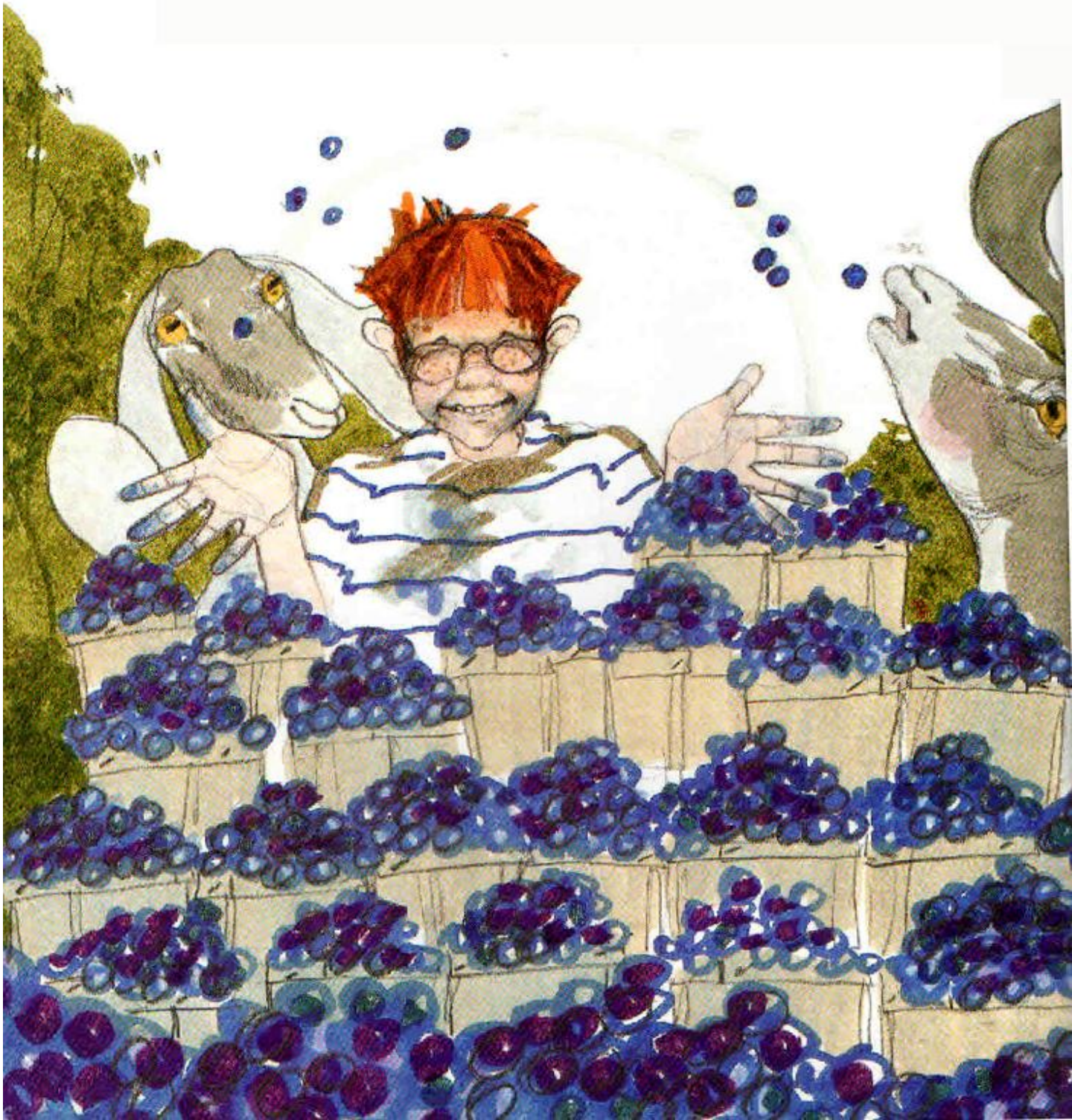


“बिल्कुल नहीं!” मैं चिल्लाई.



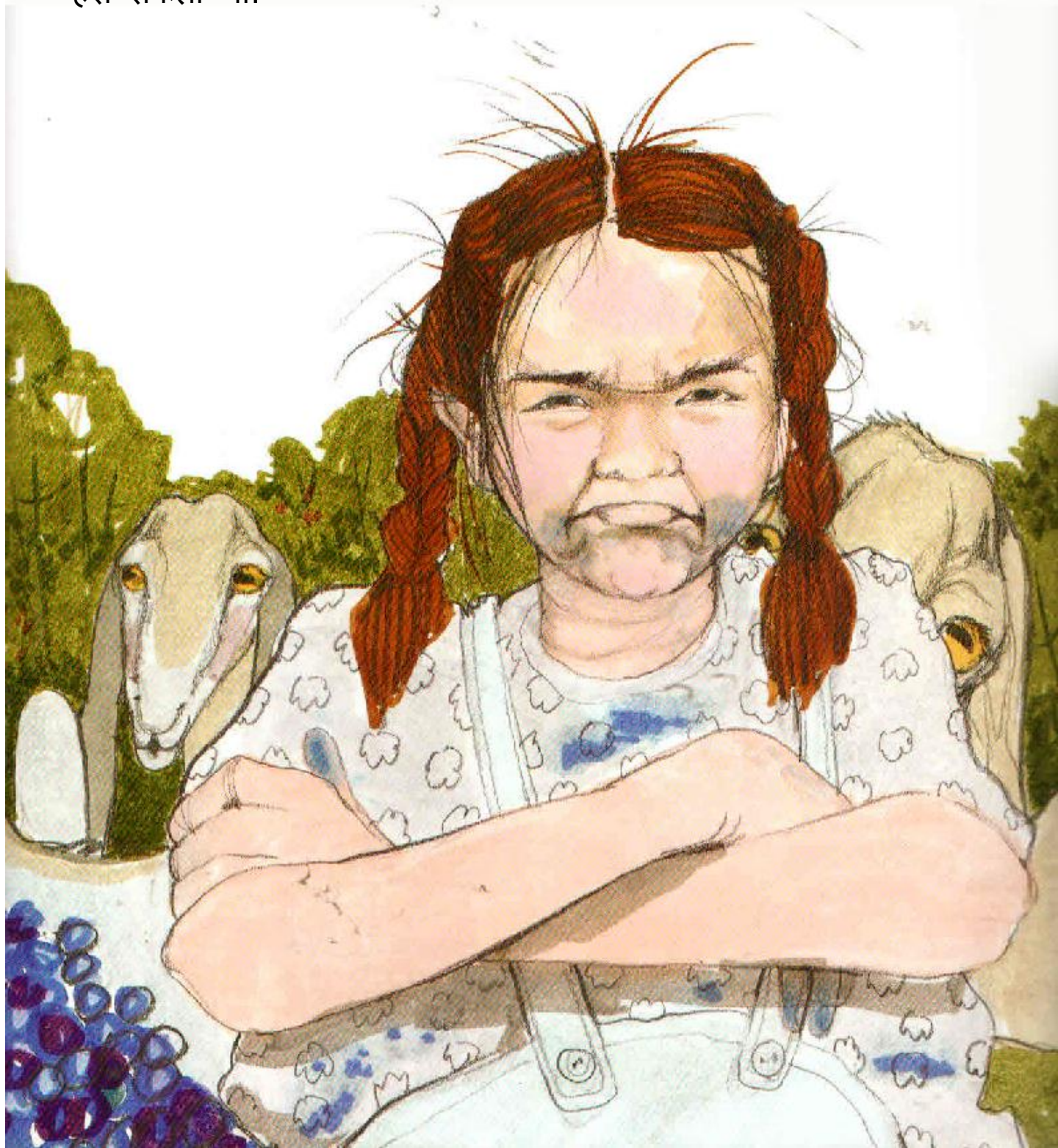
फिर हम दोनों पूरी दोपहर भर ब्लूबेरी तोड़ते रहे.

उसने सच में मुझ से ज्यादा ब्लूबेरी तोड़ीं. असल में उसने इतनी ज्यादा ब्लूबेरी तोड़ीं, कि अगले दस साल तक कोई भी उसका रिकॉर्ड तोड़ नहीं पाया!



“रिचर्ड तुम्हें देखकर मुझे बहुत गुस्सा आता है!” मैं उसपर ज़ोर से चिल्लाई.

फिर उसने ऐसी हंसी, हंसी जो सिर्फ एक सिरफिरा बड़ा भाई ही हंस सकता था.



उसे झेलना के अलावा मेरे पास और कोई चारा नहीं था.
वो सबसे तेज़ दौड़ सकता था,



सबसे ऊंचा चढ़ सकता था,



और गेंद सबसे दूर फेंक सकता था,

और एक जगह सबसे देर तक
बैठ सकता था.



वो सबसे गन्दा रह सकता था,



सबसे ज्यादा जोर से
डकार ले सकता था,

और सबसे दूर थूक सकता था.

इसमें उसकी कोई बराबरी नहीं कर सकता था,
कम-से-कम मैं तो नहीं!

“देखो मैं तुमसे पूरे चार साल बड़ा हूँ... मैं हमेशा
तुमसे बड़ा था, और रहूँगा,” उसने मेरा मज़ाक बनाते हुए
कहा.

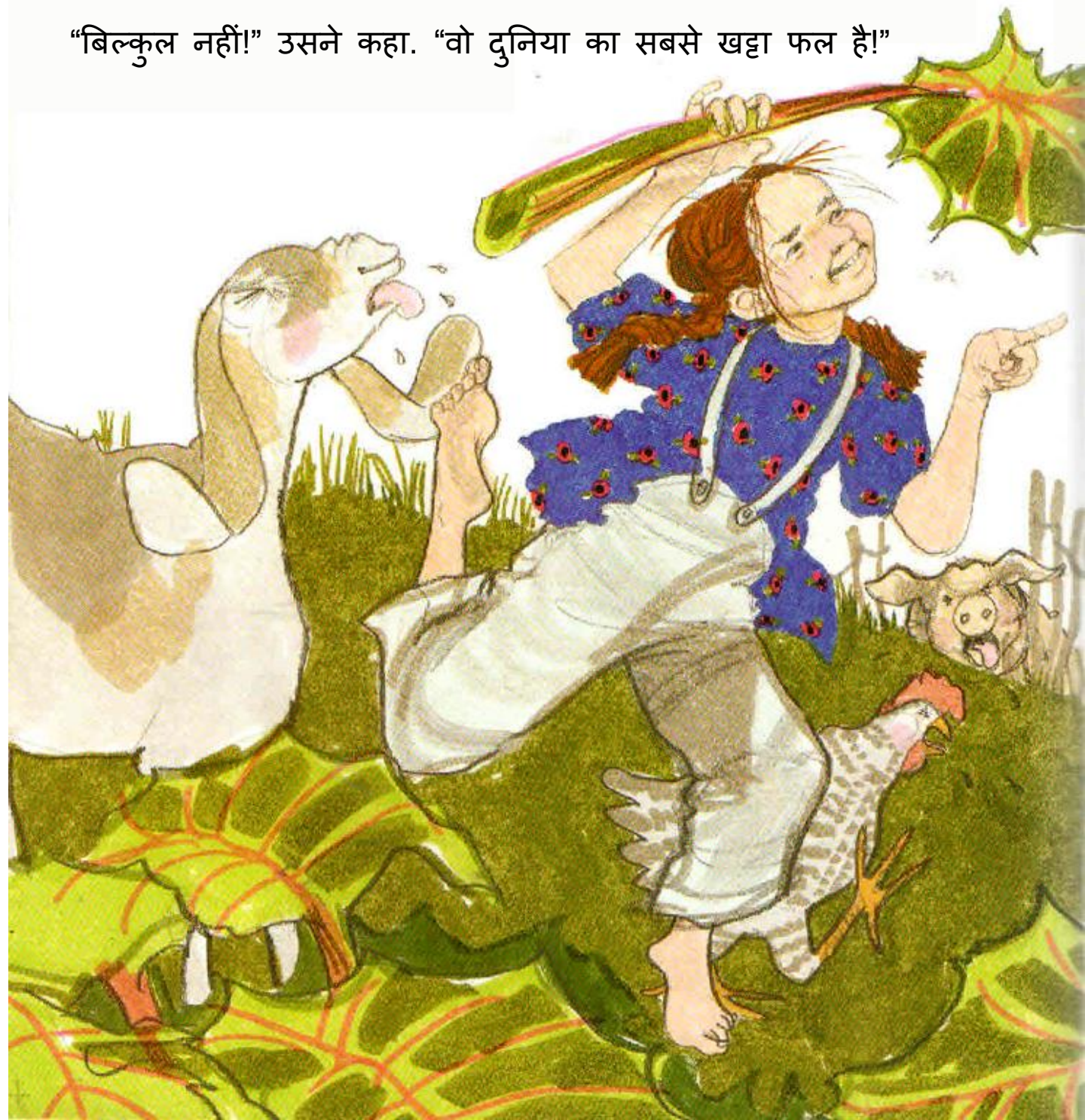


कुछ तो ऐसा ज़रूर होगा, जो मैं अपने भाई से बेहतर कर पाऊँ?

फिर एक नए विचार ने मुझे प्रेरणा दी. सड़ी गर्मी में वो आईडिया ठंडी हवा के एक झोंके जैसा आया.

“रिचर्ड,” मैंने उससे रुबार्ब (एक प्रकार का फल) की झाड़ियों के पास खड़े होकर कहा. “क्या तुम्हें रुबार्ब पसंद हैं?”

“बिल्कुल नहीं!” उसने कहा. “वो दुनिया का सबसे खट्टा फल है!”



मुझे लगा कि अब मैं अपने भाई को हरा दूँगी.

“शर्त लगाओ, मैं तुमसे ज्यादा रुबार्ब के कच्चे पत्ते खा सकती हूँ!” मैंने उसे चुनौती दी.

“मुझे नहीं लगता है!”

“मुझे लगता है!”

“मुझे नहीं लगता है!” उसने अपनी आँखें तिरछी करते हुए कहा.

“मुझे लगता है!” मैं अपनी जिद्द पर अड़ी रही.

“नहीं!” अपनी आत्मसन्तुष्टि में वो चिल्लाया.

“मुझे लगता है!” फिर मैंने रुबार्ब की एक डंठल तोड़ी और पत्ते समेत मैं उसे चबा गई.



जब मुझसे वो खट्टा चूख रुबार्ब और नहीं खाया गया, तब भी रिचर्ड उसे बड़े प्रेम से खाता रहा. “तुमने कहा था कि तुम्हे रुबार्ब पसंद नहीं है,” मैंने अपना मुंह बिचकाते हुए कहा.

“किसने कहा मुझे रुबार्ब नापसंद है.... वो मेरा सबसे प्रिय खाना है!” उसने कहा, और फिर उसने रुबार्ब एक और पत्ता अपने मुंह में डाला.





उसे देखकर मैं बिल्कुल पगला गई. मुझे महसूस भी नहीं हुआ कि मेरा पेट अब दुखने लगा था. “मैं तुम्हें और बर्दाश्त नहीं कर सकती रिचर्ड बार्बर.... कोई पागल कुत्ता भी तुम्हें बर्दाश्त नहीं कर सकता है!” मैं जोर से चिल्लाई और फिर नानी की सांत्वना के लिए, घर में अन्दर गई.

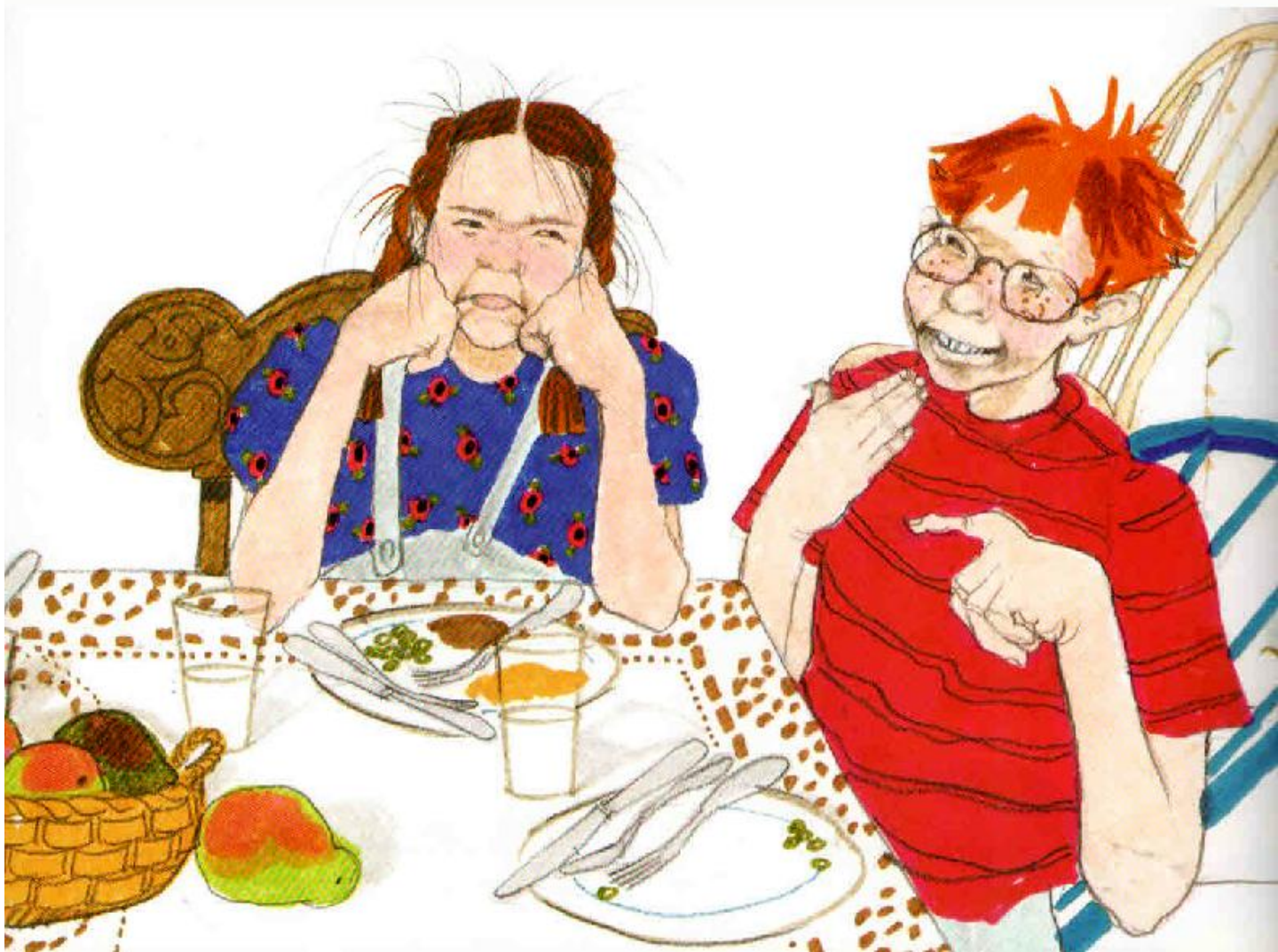
“देखो मैं तुमसे पूरे चार साल बड़ा हूँ, छोटी लड़की... हमेशा था, और हमेशा रहूँगा!” रिचर्ड चिल्लाया. फिर उसने वो सड़ी हुई हंसी, हंसी जो लाल बालों वाला एक बड़ा भाई ही हंस सकता है.



उस रात को डिनर में मैं कुछ भी नहीं खा सकी.

“तुमने आज फिर से वो कच्चे सेब खाए, बेटी?” बूबी ने मुझसे कहा और फिर उन्होंने मेरी प्लेट में रुबार्ब-पाई का एक बड़ा स्लाइस डाल दिया. “मैंने आज तुम्हारा प्रिय खाना बनाया है!”

मुझे देखकर रिचर्ड मुस्कुराया. फिर उसने वो सड़ी हुई हंसी, हंसी जो लाल बालों वाला एक बड़ा भाई ही हंस सकता है.



रात के समय बूबी मेरे पलंग पर आकर बैठीं. हर रात वो ऐसा करती थीं.
“देखो, उस पुच्छल तारे को,” उन्होंने मुझसे कहा.

हमने आसमान में उस चमकीली लकीर को देखा. फिर नानी ने अपनी दो
उँगलियों के बीच थूका और फिर सीने पर ज़ोर से हाथ मारकर ताली बजाई.

“आपने यह क्यूँ किया, बूबी?” मैंने पूछा.

“मैंने अभी एक मन्नत मांगी क्या तुम्हें पता नहीं कि पुच्छल तारों से
मांगी मन्नत, हमेशा पूरी होती है?”

अब मुझे अपने भाई से बदला लेने का सही तरीका समझ में आया.

फिर मैं रात के आसमान को घूरती रही. अंत में मुझे दूसरा पुच्छल तारा
दिखा. फिर मैंने भी अपनी दो उँगलियों के बीच में थूका और हाथ से सीने
पर ताली बजाई.

फिर मैंने भी एक मन्नत मांगी.

मेरी इच्छा थी कि मैं कोई काम, कोई भी एक काम, अपने भाई से बेहतर
कर पाऊँ. अब मैं उसे अच्छा सबक सिखाऊंगी!

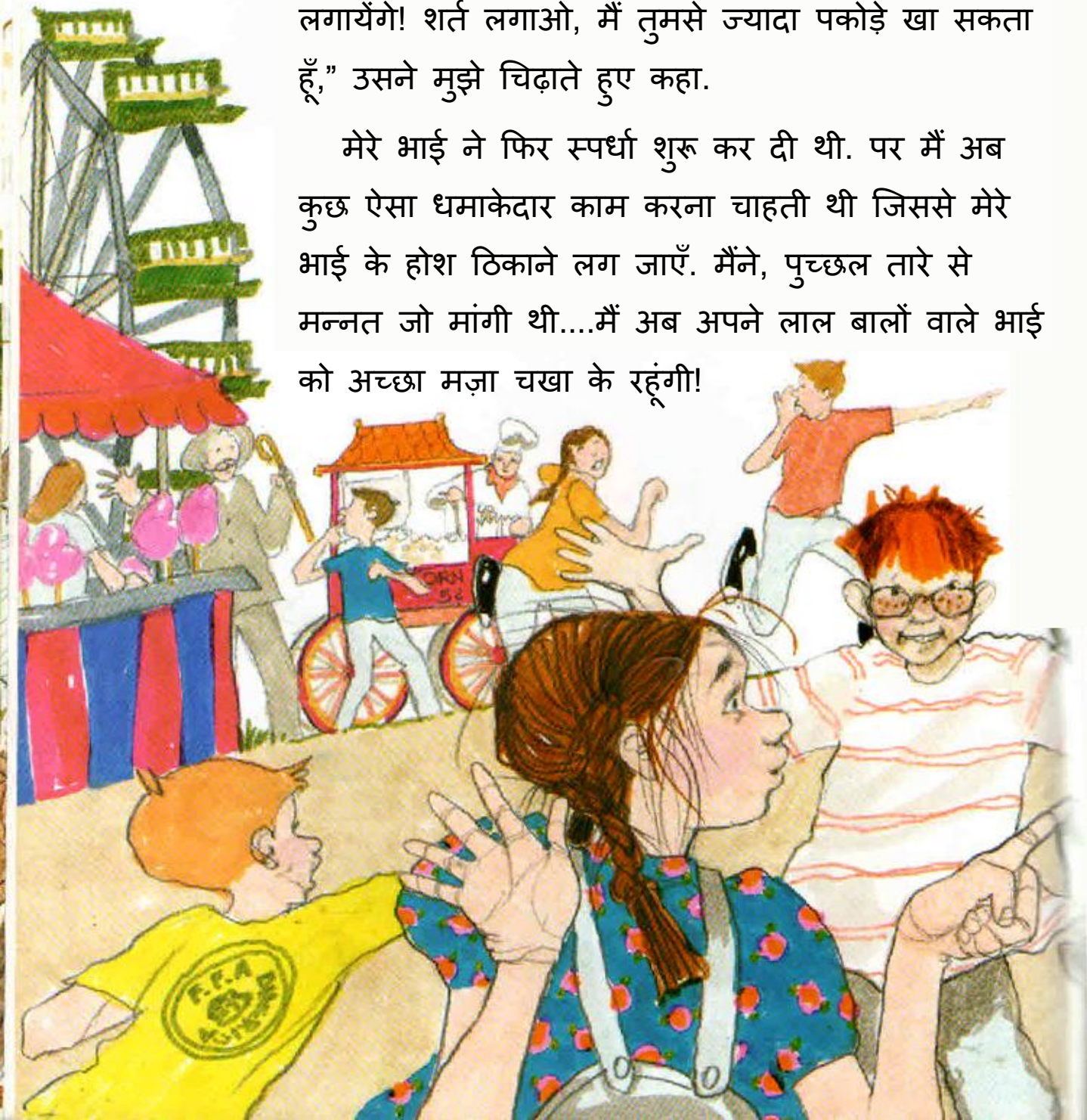





अगले दिन सुबह मुझे सिर्फ एक चीज़ याद थी – वो थी रात को मांगी मन्नत. मैं उसके बारे में इतना सोच रही थी कि मुझे खेत के पास मैदान में बहुत सी गाड़ियाँ और ट्रक्स आते हुए दिखाई तक नहीं दिए.

“देखो, चलता-फिरता मेला आया है,” मेरा भाई ने मेरी तरफ दौड़ते हुए कहा. “वो हमारे ही खेत में मेले को लगायेंगे! शर्त लगाओ, मैं तुमसे ज्यादा पकोड़े खा सकता हूँ,” उसने मुझे चिढ़ाते हुए कहा.

मेरे भाई ने फिर स्पर्धा शुरू कर दी थी. पर मैं अब कुछ ऐसा धमाकेदार काम करना चाहती थी जिससे मेरे भाई के होश ठिकाने लग जाएँ. मैंने, पुच्छल तारे से मन्नत जो मांगी थी....मैं अब अपने लाल बालों वाले भाई को अच्छा मज़ा चखा के रहूंगी!





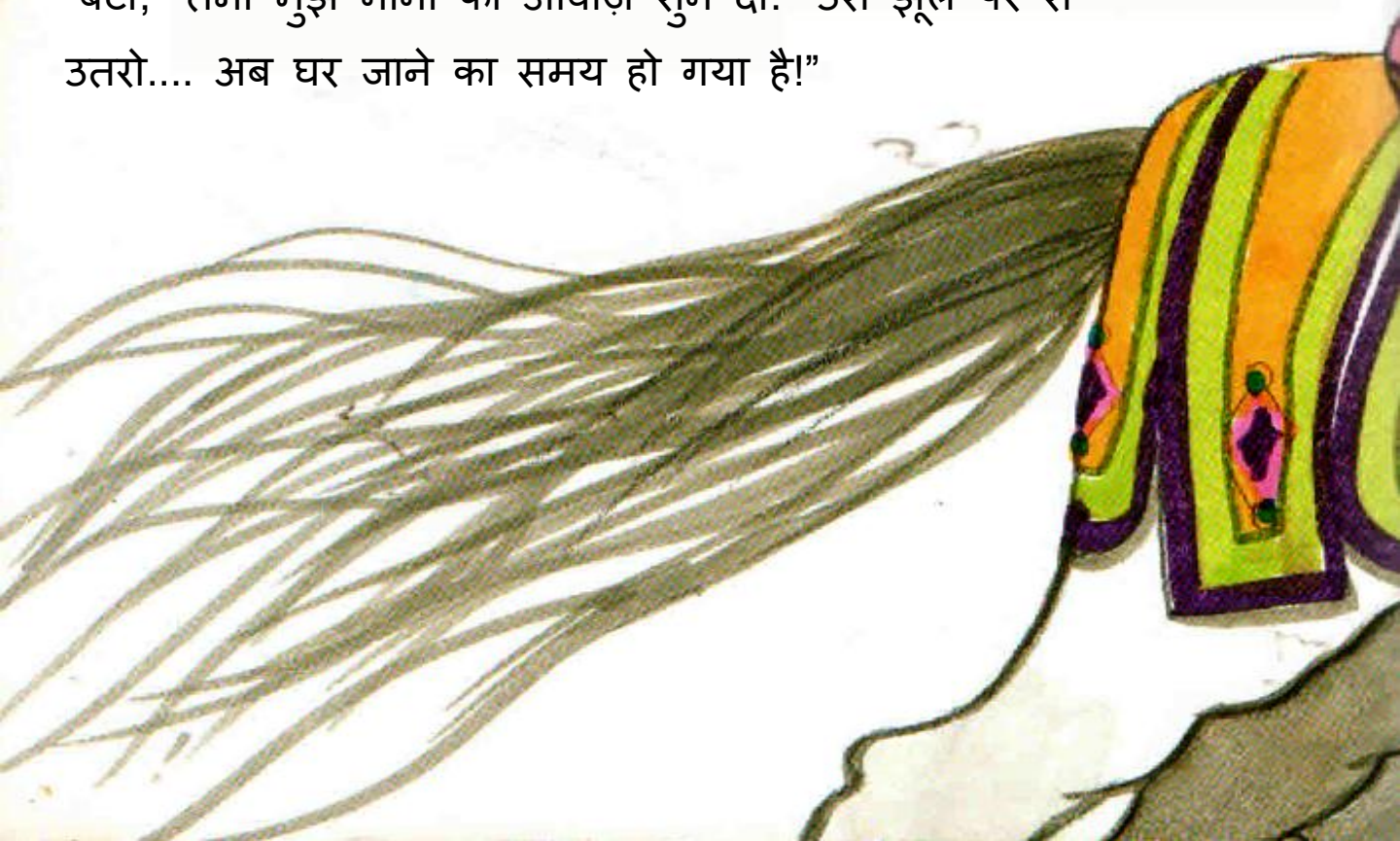
उस रात मैं मेरी-गो-राउंड (हिंडोले) वाले झूले पर गई.

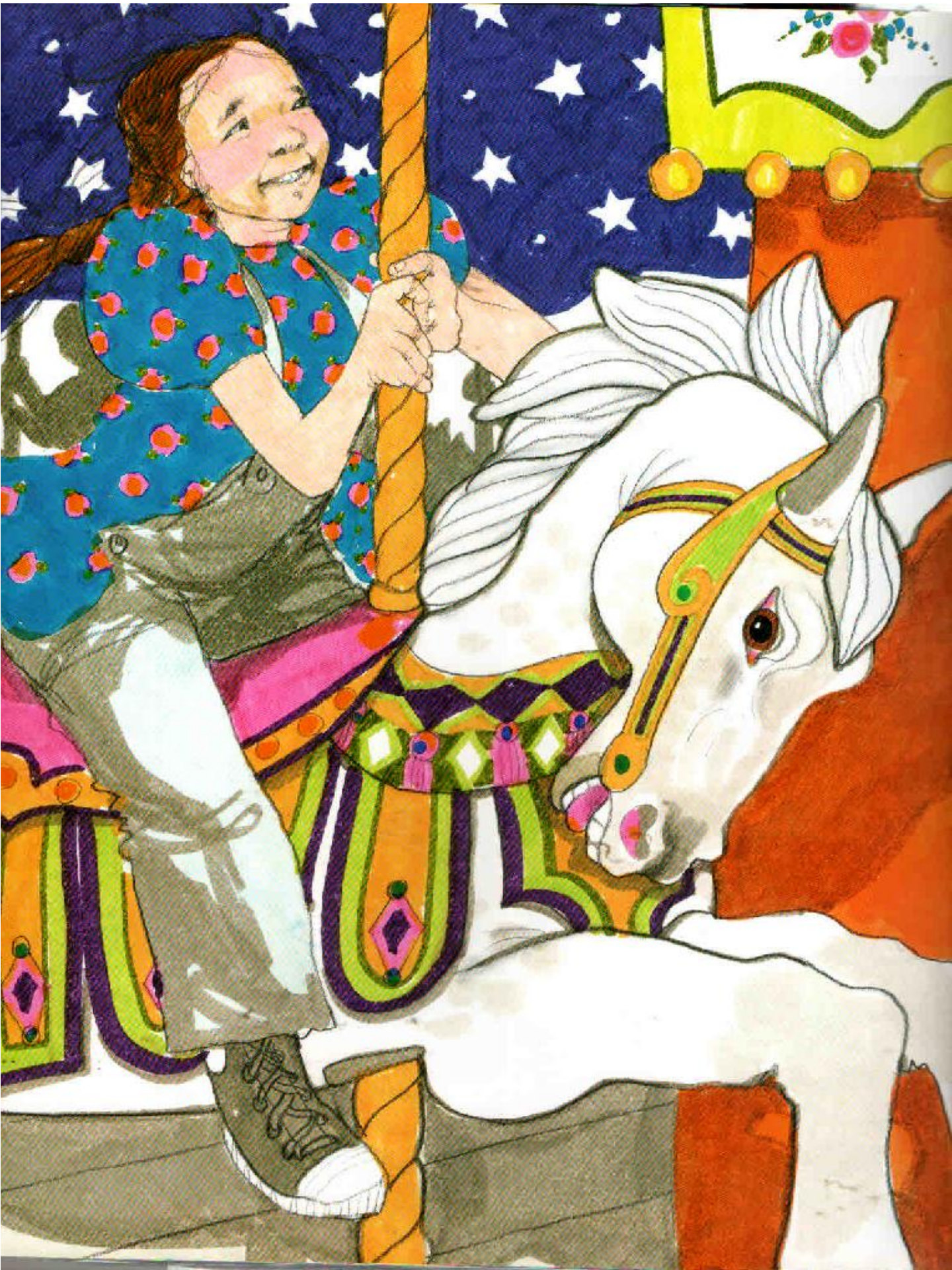
हम लोगों ने उस झूले पर बैठकर पचास चक्कर काटे होंगे.
फिर मेरा भाई झूले से उतर गया!

पर मैं उसी झूले पर ही बैठी रही, और लगातार गोल-गोल
घूमती रही.

“मुझे पता है मैं इस झूले पर तुमसे ज्यादा झूल सकती हूँ,”
मैं भाई के ऊपर चिल्लाई. मेरा सिर चक्कर खा रहा था, पर मुझे
खुद पर गर्व भी था.

“बेटी,” तभी मुझे नानी की आवाज़ सुने दी. “उस झूले पर से
उतरो.... अब घर जाने का समय हो गया है!”





मुझे जो आखरी बात याद है, वो झूले से उतरने की है. फिर जब मैं उठी तो बूबी मेरे पलंग के सिहराने पर बैठी थीं. माँ और नाना भी वहां पर थे.

“तुमने हम सबको बेहद डरा दिया!” माँ ने कहा. “अब तुम्हें कैसा लग रहा है?”

“क्या हुआ?” मैंने पूछा.

“तुम गिर गई थीं!” मेरे लाल बालों वाले भाई ने कहा. उसके चेहरे पर एक कुटिल मुस्कान थी.

“पता नहीं हम लोग क्या करते,” मेरी नानी ने हल्के से कहा.
“तुम्हारा भाई तुम्हें मेले से घर तक उठाकर लाया और फिर वो दौड़कर डॉक्टर ली को बुलाकर लाया.”



“तुम्हारे कई टाँके लगे और मैंने वो सब अपनी आँखों से देखे!”
उसने उत्तेजित होकर कहा.

“तुम उस झूले से गिरकर सीधे कुछ बोतलों पर जाकर गिरीं थीं,” नानी ने कहा.

“फिर तुम बेहोश हो गईं!” भाई ने हँसते हुए कह. “लगता है अंत में तुमने कुछ **“विशेष”** ज़रूर किया!”

उस क्षण के बाद से, भाई और मेरे बीच का रिश्ता, एकदम बदल गया.

“तुम्हारा बहुत शुक्रिया, रिचर्ड,” मैंने भाई से कहा.

“बड़े भाई और किसके लिए होते हैं,” रिचर्ड ने शर्माते हुए कहा.





उस रात हम सब लोग बाहर अहाते में गए. मिशिगिन की गर्मियों में हम सभी लोग अक्सर रात में बाहर ही सोते थे, क्योंकि वहां ज्यादा ठंडक होती थी.

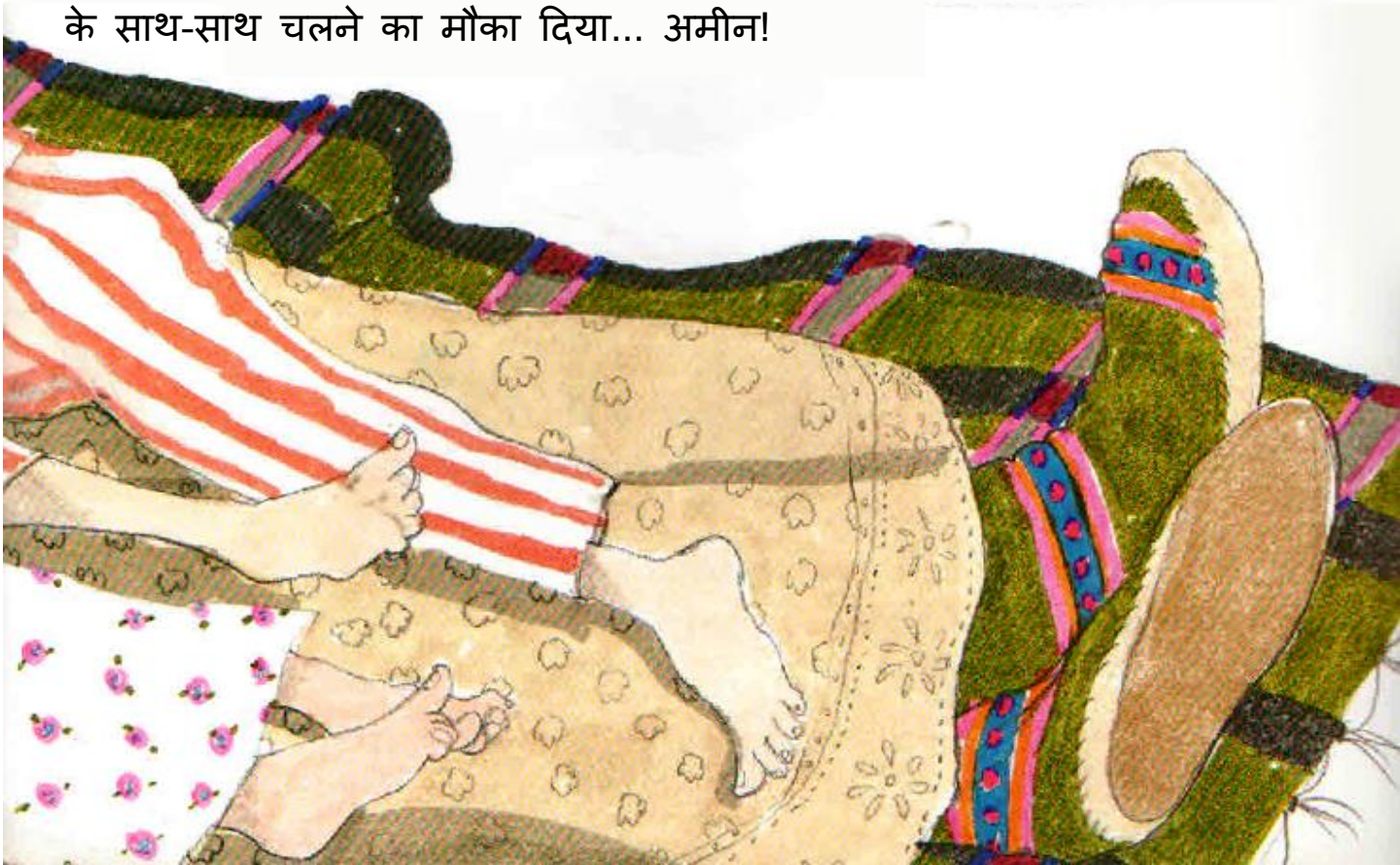
“ज़रा उन तारों को देखो,” बूबी ने हल्के से कहा.

“कभी-कभी मन्नतें सच होती हैं, पर हम जैसा सोचते हैं, वैसे नहीं, पर किसी अलग तरीके से.”

इसलिए मन्नत मांगते समय काफी सावधानी बरतनी चाहिए.... क्योंकि कभी-कभी मन्नतें सच भी हो जाती हैं!” बूबी ने कहा. फिर उन्होंने हम दोनों के हाथों को दबाया.

“घास को कसकर पकड़कर रखो,” बूबी ने फुसफुसाया.

“क्योंकि अगर तुमने वैसा नहीं किया तो हम तैरते हुए सितारों तक पहुँच जायेंगे.” फिर बूबी ने हम दोनों को, तीन-तीन पुच्छियाँ दीं. “मैंने तुम्हारी आँखों को पुच्ची इसलिए दी, जिससे मैं तुम दोनों के दिलों को सुरक्षित रख पाऊँ. इस रात मैं भगवान का शुक्रिया अदा करती हूँ कि उन्होंने पृथ्वी पर मुझे, तुम दोनों के साथ-साथ चलने का मौका दिया... अमीन!





फिर हम उस गर्मी की रात में, अपने-अपने कम्बलों पर लेटे रहे.

“मैं हमेशा तुमसे चार साल बड़ा रहूँगा,” मेरे भाई ने हल्के से फुसफुसाकर कहा. फिर वो मुस्कुराया.

फिर हम सबने एक-दूसरे के हाथ पकड़े, और नींद की दुनिया में खो गए.



पैटरिशिया अपने लाल बालों वाले बड़े भाई रिचर्ड को बर्दाश्त नहीं कर सकती थी. बड़ा भाई, हर चीज़ उससे तेज़ और बेहतर करता था. इसलिए जब उसकी नानी ने उसे पुच्छल तारे से मन्नत मांगने की बात बताई, तो पैटरिशिया ने अपनी आगे की रणनीति बनाई. उसने पुच्छल तारे से मन्नत मांगी, जिससे वो कोई चीज़ तो, अपने भाई से बेहतर कर पाए.

जब चलता-फिरता मेला आया तो पैटरिशिया ने अपने भाई से कोई चीज़, बेहतर करने की कोशिश की. वो भाई को हराने के चक्कर में, मेरी-गो-राउंड झूले पर बहुत देर तक बैठी रही. अंत में उसका सिर चक्कर खाने लगा और वो गश खाकर गिर पड़ी. फिर उसके बड़े भाई ने क्या किया – वही, जो हर बड़े भाई को करना चाहिए था.